अध्याय 2

संघवाद
[Fedralism]

विषय प्रवेश (Introduction)—इस अध्याय में हम संघवाद (Federalism), उसके अलग-अलग रूपों, भारत में संघवाद के प्रचलन और विकास के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालेंगे।

SUMMATIVE ASSESSMENT
(परीक्षा आधारित मूल्यांकन)

भाग 1 - अति संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्न — 1 अंक
(Part I - Very Short Answer-Type Questions)

प्रश्न 1. शक्तियों का झुकाव केंद्र की ओर अधिक होता है। क्या यह संघवाद की विशेषता है ?

उत्तर— *शक्तियों का झुकाव केंद्र की ओर अधिक होता है*, एक संघवाद की विशेषता नहीं है।

प्रश्न 2. एक देश का नाम लिखें जहाँ संघात्मक सरकार नहीं है ?

उत्तर— '*इंग्लैंड*' में संघात्मक सरकार नहीं है।

प्रश्न 3. कौन-से दो देशों में एकात्मक प्रकार की सरकारें हैं ?

उत्तर— (*i*) *फ्रांस* और (*ii*) *जापान* में एकात्मक प्रकार की सरकारें हैं।

प्रश्न 4. विश्व के कितने देशों में संघवाद है ?

उत्तर— विश्व के '*लगभग 25 देशों में*' संघवाद है।

प्रश्न 5. किस देश ने संघवाद को नहीं अपनाया ?

उत्तर— '*चीन*' ने संघवाद को नहीं अपनाया।

प्रश्न 6. कौन-सा देश 'साथ आकर संघ बनाने' (Coming Together) की पद्धति में आता है?

उत्तर— '*यू०एस०ए०*' साथ आकार संघ बनाने की पद्धति में आता है।

प्रश्न 7. विश्व के कौन-से दो देशों में संघ-राज्य सबको साथ लेकर (Holding Together) की पद्धति के स्वरूप पर संगठित है?

उत्तर—'*विश्व में भारत और स्पेन*' नामक दो देशों में संघ-राज्य सबको साथ लेकर (Holding Together) की पद्धति के स्वरूप पर संगठित हैं।

प्रश्न 8. भारत में किन दो राज्यों को विशेष अधिकार दिए गए हैं ?

उत्तर— (*i*) *जम्मू और कश्मीर* (*ii*) *उत्तर-पूर्वी पहाड़ी राज्यों* को विशेष अधिकार दिए गए हैं।

Scanned by CamScanner

प्रश्न 9. कौन से दो राज्यों की स्थापना हाल ही में (2000 ई०) हुई ?

उत्तर– (*i*) *उत्तराखण्ड* (*ii*) *झारखंड* की स्थापना हाल में ही 2000 ई० को हुई।

प्रश्न 10. भाषा की विविधता के विचार से किस देश का नाम सबसे ऊपर आता है ?

उत्तर– भाषा की विविधिता के विचार से 'भारत' का नाम सबसे ऊपर आता है।

SUMMATIVE ASSESSMENT

(परीक्षा आधारित मूल्यांकन)

भाग 2 – संक्षिप्त उत्तर तथा लम्बे उत्तर वाले प्रश्न

(Part II - Short and Long Answer Type Questions)

संक्षिप्त उत्तर वाले प्रश्न (Short Answer Type Questions)

(80 शब्दों तक के उत्तर – 3 अंक)

प्रश्न 1. एकात्मक सरकार से आपका क्या तात्पर्य है ? इसकी क्या विशेषताएँ हैं ?

अथवा

'एकात्मक सरकार' पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखें।

उत्तर—एकात्मक सरकार (Unitary Form of Government)—एकात्मक सरकार (जैसा कि इंग्लैंड में है) की मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(1) एकात्मक सरकार में केन्द्रीय सरकार राज्य सरकारों की अपेक्षा कहीं अधिक शक्तिशाली होती है।

(2) एकात्मक सरकार में केन्द्रीय सरकार के पास धन राज्य सरकारों की अपेक्षा कहीं अधिक होता है, इसलिए केन्द्र का महत्त्व राज्यों के मुकाबले अधिक बढ़ जाता है।

(3) केन्द्रीय सरकार आपातकाल में और भी अधिक शक्तिशाली हो जाती है जब वह राज्य की सारी शक्तियाँ अपने हाथ में ले लेती है।

(4) ऐसी सरकार या एकात्मक सरकार को समवर्ती सूची (Concurrent List) में दिए गए विषयों में भी श्रेष्ठता प्राप्त होती है। यदि इस सूची में वर्णित किसी भी विषय पर केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार दोनों कानून पास कर दें तो केन्द्रीय सरकार द्वारा पास किया गया कानून मान्य होगा।

प्रश्न 2. 'भारत की संघात्मक व्यवस्था में न्यायपालिका की भूमिका' पर प्रकाश डालें।

उत्तर—भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे संघीय देशों में केन्द्रीय सरकार और राज्य सरकार में अथवा दो या दो से अधिक राज्य सरकारों के बीच टकराव की स्थिति आ जाती है। उदाहरणार्थ, हरियाणा और पंजाब के मध्य नहरी पानी के बँटवारे और कुछ हिन्दी भाषी अथवा पंजाबी भाषी क्षेत्रों के बारे में विवाद है। ऐसी स्थिति में इस विवाद का निपटारा कौन करेगा? स्वभावत: उच्चतम न्यायालय ही ऐसी स्थिति में केन्द्र और राज्यों अथवा दो या अधिक राज्यों के बीच होने वाले विवाद का निपटारा करेगा। अत: भारत अथवा संयुक्त राज्य अमेरिका या किसी भी अन्य संघात्मक राज्य के सुचारू रूप से काम करने के लिए उच्चतम न्यायालय अथवा सर्वोच्च न्यायालय का होना अनिवार्य है।

प्रश्न 3. 1992 के संविधान के पहले और बाद के स्थानीय शासन के दो महत्त्वपूर्ण अंतरों को बताएं।

(पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 5) **(Important)**

उत्तर—1992 के 73वें संविधान संशोधन ने स्थानीय शासन के क्षेत्र में अनेक महत्त्वपूर्ण सुधार किए हैं। विशेषकर ग्रामीण और नगरीय स्तरों पर शक्ति के विकेन्द्रीकरण की दिशा में उठाए गए कुछ महत्त्वपूर्ण कदम निम्नलिखित हैं—

Scanned by CamScanner

(*i*) 1992 से पहले स्थानीय स्वशासी निकायों के चुनाव ग्रामीण और नगरीय स्तरों पर कोई नियमित रूप से नहीं होते थे परन्तु 1992 के संविधान संशोधन के पश्चात् चुनाव नियमित रूप से कराना संवैधानिक बाध्यता बन गई।

(*ii*) 1992 के संशोधन से पहले निर्वाचित स्वशासी निकायों के सदस्य तथा पदाधिकारियों के पदों में अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियाँ तथा पिछड़े वर्गों के लिए सीटें आरक्षित नहीं थीं, परन्तु 1992 के सुधारों के बाद इन जातियों के लिए सीटों को आरक्षित कर दिया गया।

(*iii*) पहले यहाँ महिलाओं के लिए सीटें आरक्षित नहीं थीं उन्हें अब एक-तिहाई की संख्या से आरक्षित कर दिया गया है।

(*iv*) पहले यहाँ राज्य की पंचायतों और नगरपालिकाओं का चुनाव कराने के लिए कोई संस्था नहीं थी वहाँ तब राज्य चुनाव आयोग गठित किया गया है ताकि वह इन स्थानीय संस्थाओं का चुनाव स्वतन्त्र रूप से करा सके।

प्रश्न 4. ग्रामों में स्थानीय शासन के संगठन की व्याख्या कीजिए।

अथवा

पंचायत समिति की स्थापना किस प्रकार होती है ?

उत्तर—ग्रामों में स्थानीय शासन या पंचायती राज का संगठन—पंचायती राज में ग्राम पंचायतें, पंचायत समितियाँ तथा जिला परिषदें आती हैं।

ग्राम पंचायत का संगठन—ग्राम पंचायत उन ग्रामों में बनाई जाती है जिनकी जनसंख्या लगभग 1,500 होती है। ग्राम का प्रत्येक वयस्क व्यक्ति ग्राम सभा का सदस्य होता है। ग्राम सभा के सदस्यों द्वारा ही ग्राम पंचायत के सदस्य, जिनको पंच कहा जाता है, तीन वर्ष के लिए चुने जाते हैं। पंच अपने में से एक सदस्य को सरपंच चुन लेते हैं। पंचायत ग्राम सभा की कार्यकारिणी होती है।

पंचायत समिति का गठन—यह एक क्षेत्र के 100 ग्रामों को मिलाकर बनाई जाती है। उस क्षेत्र के सभी ग्राम-सभाओं के प्रधान इसके सदस्य होते हैं। इसके निम्नलिखित कार्य होते हैं--

(1) पंचायत समिति समस्त क्षेत्र के विकास कार्यों के लिए उत्तरदायी होती है।

(2) यह क्षेत्र की ग्राम पंचायतों तथा पंचायत के कार्य में सहायता करती है और उनके कार्यों में तालमेल पैदा करती है।

जिला परिषद का गठन—सारे ज़िले में एक ज़िला परिषद भी बनाई जाती है। इसके सदस्य जिलाधीश, कुछ विशेषज्ञ तथा ज़िले की पंचायत-समितियों के प्रधान होते हैं। इसके मुख्य कार्य निम्नलिखित होते हैं—

(1) यह ग्राम पंचायतों तथा पंचायत समितियों के कार्यों की देखभाल करती है तथा उनमें तालमेल स्थापित करती है।

(2) यह ज़िले के विकास--कार्यों को पूरा करवाती है।

प्रश्न 5. ग्राम पंचायत की व्याख्या कीजिए और इसके प्रमुख कार्य बताइए।

उत्तर—जैसा कि ऊपर बताया गया है कि गाँव का हर वयस्क (स्त्री या पुरुष) ग्राम सभा का सदस्य होता है। ग्राम सभा फिर अपने में से पंचों को चुनती है जो ग्राम पंचायत बनाते हैं।

ग्राम पंचायत के कार्य—

(1) **ग्राम में स्वच्छ जल की व्यवस्था**—ग्राम पंचायत का एक बड़ा कार्य ग्रामवासियों के लिए स्वच्छ जल की व्यवस्था करना है ताकि वे व्यर्थ में बीमार न पड़ें। इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वह ठंडे, मीठे और स्वच्छ जल के कुओं का निर्माण करती है।

(2) **सड़कों का निर्माण तथा मरम्मत करना**—ग्राम के आर्थिक विकास के लिए सड़कों का होना भी अति आवश्यक होता है क्योंकि तभी गाँव की पैदावार बिक्री के लिए शहर में भेजी जा सकती है और शहर से आवश्यक चीज़ें गाँव में लाई जा सकती हैं।

Scanned by CamScanner

(3) **सफाई का इंतज़ाम व बीमारियों की रोकथाम करना**—पंचायत को गाँव की सफाई की ओर पूरा ध्यान देना पड़ता है। वह बीमारियों की रोकथाम के लिए अस्पताल और औषधालय खोलती है। इसी द्वारा स्त्रियों के लिए प्रसूति-गृह खोले जाते हैं। यही पशुओं के लिए अलग चिकित्सालय खुलवाती है।

(4) **कृषि तथा कुटीर उद्योगों सम्बन्धी विकास कार्य**—पंचायत कृषि की उन्नति के लिए निरन्तर प्रयत्नशील रहती है। यह किसानों की खेती के आधुनिक ढंग सिखाने, उन्हें अच्छे बीजों एवं अच्छी खाद का प्रयोग करने तथा ट्रैक्टर आदि खरीदने के लिए ऋण आदि देने का प्रबन्ध करती है। यह घरेलू उद्योग-धन्धों को प्रोत्साहन देती है ताकि किसान अपने फालतू समय का पूरा-पूरा लाभ उठा सकें और अधिक धन कमा सकें।

(5) **ग्राम की जन्म-मृत्यु का विवरण रखना**—यह ग्राम को जन्म-मृत्यु का विवरण रखती है ताकि गाँव की आबादी का पूरा-पूरा ज्ञान हो सके और इसके विकास के लिए नियमबद्ध प्रयत्न किए जा सकें।

(6) **शिक्षा का प्रबन्ध**—बच्चों की शिक्षा के लिए वह स्कूल खोलती है और पुस्तकालयों का भी निर्माण करती है।

प्रश्न 6. पंचायत समिति के विभिन्न कार्यों का उल्लेख करें।

उत्तर—पंचायत समिति के कार्य—

(1) अपने क्षेत्र में कृषि तथा उद्योगों की उन्नति करना।

(2) अपने क्षेत्र की सड़कें बनवाना तथा उनकी मरम्मत करना।

(3) अपने क्षेत्र के ग्रामीणों को वैज्ञानिक विधियों से पशुपालन सिखाना तथा कृषि के लिए नए तरीके सिखाना।

(4) बालक तथा बालिकाओं के लिए शिक्षा का प्रबन्ध करना।

(5) अपने क्षेत्र के लिए सफाई तथा स्वास्थ्य का प्रबन्ध करना तथा बीमारियों की रोकथाम करना।

(6) अपने क्षेत्र की विकास योजनाओं को क्रियान्वित करना।

प्रश्न 7. जिला परिषद के विभिन्न कार्यों पर प्रकाश डालें।

उत्तर—जिला परिषद के कार्य—

(1) यह पंचायत समितियों के बजट की जाँच करके उन्हें स्वीकृति देती है।

(2) अपने जिले की सभी पंचायत समितियों के कार्यों में समन्वय स्थापित करती है।

(3) जिला विकास योजनाओं को संयोजित करती है।

(4) गुजरात और महाराष्ट्र में जिला परिषदों को कृषि, समाज कल्याण, यातायात एवं सामुदायिक विकास आदि से सम्बन्धित कई महत्त्वपूर्ण प्रशासनिक कार्य भी सौंपे गए हैं।

(5) जिला परिषद राज्य सरकार और स्थानीय सरकार के मध्य एक पुल का कार्य करती है। ग्रामीण जनता के कल्याण के लिए जो भी कार्य राज्य सरकार करना चाहती है वह जिला परिषदों के माध्यम से होता है।

प्रश्न 8. नगर पालिका या म्युनिसीपल कौंसिल की रचना का वर्णन कीजिए।

अथवा

महापौर (Mayor) और निगम आयुक्त (Municipal Commissioner) की स्थिति की व्याख्या करें।

उत्तर—नगरों में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं का संगठन—नगरों में स्थानीय स्वशासन संस्थाएँ प्राय: दो प्रकार की होती हैं—

(क) नगर महापालिका बड़े नगरों के लिए तथा

(ख) नगरपालिका छोटे नगरों के लिए।

(क) **नगर निगम या नगर महापालिका या म्युनिसीपल का संगठन**—नगर निगम बड़े-बड़े शहरों में जिनकी जनसंख्या कई लाखों में होती है, बनाई जाती है। नगर को उनके क्षेत्रों या वार्डों में बाँट दिया जाता है। प्रत्येक वार्ड के मतदाता

Scanned by CamScanner

निगम के लिए एक प्रतिनिधि चुनते हैं। ये प्रतिनिधि बाद में नगर के कुछ अनुभवी प्रसिद्ध व्यक्तियों को 'नगर वृद्ध' (ऐल्डर मैन) चुनते हैं। ऐल्डर मैन तथा अन्य प्रतिनिधि अपने में से एक महापौर और एक उप-महापौर एक वर्ष के लिए चुनते हैं।

महापौर (Mayor)—वह नगर का प्रथम नागरिक माना जाता है। उत्सवों व समारोहों में वह नगर का प्रतिनिधित्व करता है। वह निगम की बैठकों की अध्यक्षता करता है। वह निगम का औपचारिक अध्यक्ष होता है। वह विदेशों से आने वाले बड़े-बड़े राजनयिकों एवं अतिथियों का स्वागत करता है।

निगम आयुक्त (Municipal Commissioner)—निगम के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक निगम आयुक्त भी नियुक्त किया जाता है। उसकी नियुक्ति 5 वर्ष के लिए होती है। वह प्राय: एक वरिष्ठ सरकारी कर्मचारी होता है। निगम के समस्त कर्मचारी आयुक्त के अधीन होते हैं। वह नगर निगम द्वारा निश्चित की गई नीतियों को कार्यरूप देता है। इस प्रकार उसको अनेक प्रकार की शक्तियाँ प्रदान की गई हैं ताकि वह सुचारू रूप से नगर निगम के काम को चला सके।

(ख) नगर निगम का संगठन—नगरपालिका उन छोटे नगरों या कस्बों में बनाई जाती है जिनकी जनसंख्या कम से कम बीस हज़ार होती है। कस्बों को उनके वार्डों में विभाजित कर दिया जाता है। प्रत्येक वार्ड के मतदाताओं द्वारा नगर-पालिका के लिए एक प्रतिनिधि चुना जाता है। ये सदस्य अपने में से एक सभापति व एक उपसभापति चुन लेते हैं। नगर निगम का अपना दफ्तर होता है, जहाँ सचिव तथा अनेक कर्मचारी कार्य करते हैं।

☞ प्रश्न 9. नगर निगम और नगरपालिका या म्युनिसीपल कौंसिल के कार्यों की व्याख्या करें।

(Delhi 1990, 91, 92, 93; Outside Delhi 1989, 1993)

उत्तर—नगरों में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं के कार्य एवं अधिकार—नगरों में स्थानीय स्वशासन संस्थाओं या नगर निगमों एवं नगर पालिकाओं के विशेष कार्य एवं अधिकार निम्नलिखित हैं—

(1) **स्वास्थ्य रक्षा एवं सफाई**—ये संस्थाएँ अपने-अपने क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करती हैं तथा सफाई का प्रबन्ध करती हैं।

(2) **सड़कें एवं नालियाँ**—ये संस्थाएँ अपने क्षेत्र में नालियों, पुलों और सड़कों का निर्माण करती हैं, ताकि आवागमन के कार्य में कोई रुकावट न हो।

(3) **पीने के पानी की व्यवस्था**—ये संस्थाएँ अपने क्षेत्र में पीने के पानी की व्यवस्था करती हैं, ताकि लोग रोगग्रस्त न हों।

(4) **जल निकास की व्यवस्था**—प्रत्येक नगरपालिका का यह कर्त्तव्य है कि वह गन्दे पानी के निकास की व्यवस्था करें अन्यथा गली-मुहल्लों में कीचड़ फैल जाएगा और मलेरिया की बीमारी के फैलने का डर हो सकता है।

(5) **स्वास्थ्य सेवाएँ**—नगर पालिकाएँ स्थान-स्थान पर डिस्पैन्सरियाँ और अस्पताल खोलती हैं, ताकि बीमारियाँ फैलने से रोकी जा सकें।

(6) **जन्म एवं मृत्यु का पंजीकरण**—ये स्थानीय संस्थाएँ जन्म और मृत्यु पंजीकरण करने का भी प्रबन्ध करती हैं तथा मशीनों की व्यवस्था करती हैं।

☞ प्रश्न 10. भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक विशेषता और उससे अलग एक विशेषता को बताएँ।

(पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 3) **(Important)**

उत्तर—भारत की संघीय व्यवस्था में बेल्जियम से मिलती-जुलती एक विशेषता—दोनों भारत और बेल्जियम की संघीय शासन-व्यवस्था में गठन का तरीका एक-सा है अर्थात् यहाँ सबको साथ लेकर (Holding Together) प्रकार की संघात्मक सरकार है जहाँ राज्यों की तुलना में केन्द्रीय सरकार अधिक शक्तिशाली है।

Scanned by CamScanner

भारत की संघीय सरकार में बेल्जियम से अलग एक विशेषता—भारत में तीसरे स्तर पर बेल्जियम की भाँति कोई समुदाय सरकार (Community Government) नहीं है जो अलग-अलग जातियों व संस्कृति के शैक्षणिक और भाषाई हितों की रक्षा करती हो।

☞ प्रश्न 11. भारत की भाषा नीति पर नीचे तीन प्रतिक्रियाएँ दी गई हैं। इनमें से आप जिसे ठीक समझते हैं उसके पक्ष में तर्क और उदाहरण दें। (पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 7) **(Important)**

संगीता—प्रमुख भाषाओं को समाहित करने की नीति ने राष्ट्रीय एकता को मज़बूत किया है।

अरमान—भाषा के आधार पर राज्यों के गठन ने हमें बाँट दिया है। हम इसी कारण अपनी भाषा के प्रति सचेत हो गए हैं।

हरीश—इस नीति ने अन्य भाषाओं के ऊपर अंग्रेज़ी के प्रभुत्व को मज़बूत करने भर का काम किया है।

उत्तर—ऊपर के तीन विचारों में संगीता (Sangeeta) के विचार और प्रतिक्रिया सच्चाई के निकट लगती है कि प्रमुख भाषाओं को समाहित करने की नीति ने राष्ट्रीय एकता को मज़बूत किया है।

भारतीय संविधान ने यह निश्चित किया था कि अंग्रेज़ी का प्रयोग 1965 तक होता रहेगा। परन्तु जब बहुत से अहिन्दी भाषाई राज्यों ने इस बात की माँग की कि अंग्रेज़ी का प्रयोग जारी रहे तो केन्द्रीय सरकार इस बात को मान गई कि अंग्रेज़ी का प्रयोग राजभाषा के रूप में हिन्दी के साथ-साथ चलता रहेगा। इस प्रकार कट्टर नीति न अपनाते हुए लचीलेपन को अपनाकर केन्द्रीय सरकार ने बड़ी दूरदर्शिता का परिचय दिया अन्यथा श्रीलंका की भाँति यहाँ भी संघर्ष का वातावरण बना रहता और हो सकता था कि गृह-युद्ध तक की नौबत आ जाती।

☞ प्रश्न 12. रिक्त स्थानों को भरें— (पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 6) **(Important)**

चूँकि अमेरिका ..... तरह का संघ है इसलिए वहाँ सभी इकाइयों को समान अधिकार हैं। संघीय सरकार के मुकाबले प्रान्त ..... हैं। लेकिन भारत की संघीय प्रणाली ..... की है और यहाँ कुछ राज्यों को और औरों से ज़्यादा शक्तियाँ प्राप्त हैं।

उत्तर—चूँकि अमेरिका **साथ आकर संघ बनाने की** तरह का संघ है इसलिए वहाँ सभी इकाइयों को समान अधिकार हैं। संघीय सरकार के मुकाबले प्रान्त **अधिक मज़बूत या शक्तिशाली** हैं। लेकिन भारत की संघीय प्रणाली **सबको साथ लेकर चलने की** है और यहाँ कुछ राज्यों को और औरों से ज़्यादा शक्तियाँ प्राप्त हैं।

☞ प्रश्न 13. संघीय सरकार की एक विशिष्टता है— (पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 8) **(Important)**

(क) राष्ट्रीय सरकार अपने कुछ अधिकार प्रान्तीय सरकारों को देती है।

(ख) अधिकार विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच बँट जाते हैं।

(ग) निर्वाचित पदाधिकारी ही सरकार में सर्वोच्च ताकत का उपयोग करते हैं।

(घ) सरकार की शक्ति शासन के विभिन्न स्तरों के बीच बँट जाती है।

उत्तर—(घ) सरकार की शक्ति शासन के विभिन्न स्तरों के बीच बँट जाती है।

☞ प्रश्न 14. भारतीय संविधान की विभिन्न सूचियों में दर्ज कुछ विषय यहाँ दिए गए हैं। इन्हें नीचे दी गई तालिका में संघीय सूची, राज्य सूची और समवर्ती सूची वाले समहों में लिखें—

(क) रक्षा; (ख) पुलिस; (ग) कृषि; (घ) शिक्षा;
(ङ) बैंकिंग; (च) वन; (छ) संचार; (ज) व्यापार;
(झ) विवाह।

(पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 9) **(Important)**

Scanned by CamScanner

संघीय सूची	
राज्य सूची	
समवर्ती सूची	

उत्तर– संघीय सूची (Union List)

(क) रक्षा
(ङ) बैंकिंग
(छ) संचार

राज्य सूची (State List)

(ख) पुलिस
(ग) कृषि

समवर्ती सूची (Concurrent List)

(घ) शिक्षा
(च) वन
(झ) विवाह

☞ प्रश्न 15. भारत में शासन के विभिन्न स्तरों और उनके कानून बनाने के अधिकार-क्षेत्र के जोड़े दिए गए हैं। इनमें से कौन-सा जोड़ा सही मेल वाला नहीं है ? (पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 10) **(Important)**

(क) राज्य सरकार	राज्य सूची
(ख) केन्द्र सरकार	संघीय सूची
(ग) केन्द्र और राज्य सरकार	समवर्ती सूची
(घ) स्थानीय सरकार	अवशिष्ट अधिकार

उत्तर–(घ) स्थानीय सरकार एवं अवशिष्ट सरकार।

☞ प्रश्न 16. सूची I और सूची II में मेल ढूंढें और नीचे दिए गए कोड के आधार पर सही उत्तर चुनें। (पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 11) **(Important)**

सूची I	सूची II
1. भारतीय संघ	(अ) प्रधानमंत्री
2. राज्य	(ब) सरपंच
3. नगर निगम	(स) राज्यपाल
4. ग्राम पंचायत	(द) मेयर

	1	2	3	4
(सा)	द	अ	ब	स
(रे)	ब	स	द	अ
(ग)	अ	स	द	ब
(म)	स	द	अ	ब

उत्तर–कोड क (ग) भाग ठीक जोड़े बनाता है–(ग) (1 और अ); (2 और स); (3 और द) और (4 और ब)।

Scanned by CamScanner

☞ प्रश्न 17. इन बयानों पर गौर करें– (पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 12) **(Important)**

(अ) संघीय व्यवस्था में संघ और प्रान्तीय सरकारों के अधिकार स्पष्ट रूप से तय होते हैं।

(ब) भारत एक संघ है क्योंकि केन्द्र और राज्य सरकारों के अधिकार संविधान में स्पष्ट रूप से दर्ज हैं और अपने-अपने विषयों पर उनका स्पष्ट अधिकार है।

(स) श्रीलंका में संघीय व्यवस्था है क्योंकि उसे प्रान्तों में बाँट दिया गया है।

(द) भारत में संघीय व्यवस्था नहीं रही क्योंकि राज्यों के कुछ अधिकार स्थानीय शासन की इकाइयों में बाँट दिए गए हैं।

ऊपर दिए गए बयानों में कौन-कौन सही हैं ?

(सा) अ, ब और स (रे) अ, स और द (ग) अ और ब (म) ब और स।

उत्तर–(ग) ऊपर के बयानों में 'अ' और 'ब' सही हैं।

लम्बे उत्तर वाले प्रश्न (Long Answer Type Questions)

(100 शब्दों तक के उत्तर - 5 अंक)

प्रश्न 1. संघवाद क्या है ? इसकी महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ कौन-कौन सी हैं ?

अथवा

☞ संघीय व्यवस्था की किन्हीं चार विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए।

(Outside Delhi 2009/Set II-Q.23/Marks 4 – Words upto 100) **(Important)**

उत्तर–संघवाद या संघीय शासन व्यवस्था क्या है ? (What is Federalism ?)–संघवाद या संघीय शासन व्यवस्था वह है जिसमें देश की सर्वोच्च सत्ता केन्द्रीय सरकार और उसके विभिन्न आनुषांगिक इकाइयों के बीच में बँट जाती है।

संघीय व्यवस्था या संघवाद की महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ (Key Features of Federalism)–संघीय व्यवस्था या संघवाद की कुछ महत्त्वपूर्ण विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

(1) संघ सरकार दो या तीन स्तरों वाली होती है।

(2) विभिन्न स्तरों की सरकारें एक ही नागरिक समूहों पर शासन करती हैं परन्तु उनके अधिकार क्षेत्र अलग-अलग होते हैं।

(3) संविधान में इन विभिन्न स्तरों की सरकारों के अधिकार-क्षेत्र का स्पष्ट विवरण दिया होता है ताकि किसी आपसी संघर्ष की कोई सम्भावना न रहे।

(4) एक सर्वोच्च न्यायालय की व्यवस्था होती है जो केन्द्र और राज्यों तथा विभिन्न राज्यों के बीच अधिकारों के विवाद की स्थिति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

प्रश्न 2. संघीय प्रशासन व्यवस्थाएँ कौन-कौन से ढंग से गठित हुई हैं ?

उत्तर–संघीय शासन व्यवस्थाएँ आमतौर पर दो तरीकों से गठित होती हैं–

(1) साथ आकर संघ बनाने (Coming Together) के ढंग से।

(2) दूसरा है सबको साथ लेकर (Holding Together) चलने के ढंग से।

(1) **साथ आकर संघ बनाने का ढंग (Coming Together Federation)**–इस अवस्था या तरीके में दो या दो से अधिक स्वतन्त्र राज्यों को साथ मिलाकर एक बड़ी इकाई गठित की जाती है। ऐसे में विभिन्न राज्य अपनी संप्रभुता को बनाए हुए तथा अपनी अलग पहचान को कायम रखते हुए इकट्ठा मिलने से अपनी सुरक्षा और खुशहाली बनाए रखने का प्रयत्न करते हैं। इस प्रकार के संघ के उदाहरण हमें संयुक्त राज्य अमेरिका, स्विट्ज़रलैंड और आस्ट्रेलिया

Scanned by CamScanner

में मिलते हैं। इस प्रकार की संघीय व्यवस्था में प्रान्तों या इकाइयों को समान अधिकार होते हैं और केन्द्र के मुकाबले वे अधिक शक्तिशाली होते हैं।

(2) **सबको साथ लेकर चलने की संघीय व्यवस्था (Holding Together Federation)**—दूसरी प्रकार की संघीय व्यवस्था वह होती है जब एक बड़ा देश अपनी आन्तरिक विविधता को ध्यान में रखते हुए संघीय व्यवस्था का गठन करता है और राष्ट्रीय सरकार और इकाइयों में सत्ता का बँटवारा कर दिया जाता है। इस प्रकार की संघीय व्यवस्था भारत, स्पेन और बेल्जियम में स्थापित है। इस प्रकार की संघीय व्यवस्था में राज्यों की तुलना में केन्द्रीय सरकार अधिक ताकतवर होती है। ऐसी व्यवस्था में आवश्यकता के अनुसार कुछ राज्यों को विशेष अधिकार भी दे दिए जाते हैं। ऐसा विशेष परिस्थिति को ध्यान में रखकर किया जाता है।

प्रश्न 3. शासन के संघीय और एकात्मक स्वरूपों में क्या-क्या मुख्य अंतर हैं ? इसे उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट करें। (पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 4) **(Important)**

उत्तर—एकात्मक और संघात्मक स्वरूपों में अंतर—

संघात्मक सरकार	एकात्मक सरकार
(1) राष्ट्रपति ही नाममात्र का और वही वास्तविक अध्यक्ष होता है। अध्यक्षात्मक सरकार में प्रधानमंत्री नहीं होता। संयुक्त राज्य अमेरिका में सरकार का एक ही स्वरूप विद्यमान है।	(1) राष्ट्रपति नाममात्र का अध्यक्ष होता है। सरकार का वास्तविक अध्यक्ष प्रधानमंत्री होता है। भारत में ऐसा ही होता है।
(2) राष्ट्रपति का चुनाव जनता द्वारा प्रत्यक्ष होता है। संयुक्त राज्य अमेरिका का राष्ट्रपति जनता द्वारा प्रत्यक्ष रूप में चुना जाता है।	(2) राष्ट्रपति का चुनाव जनता द्वारा प्रत्यक्ष नहीं होता। भारत का राष्ट्रपति जनता द्वारा सीधा नहीं चुना जाता वरन् उसे संसद और प्रान्तीय विधानमंडलों के सदस्य चुनते हैं।
(3) कार्यपालिका विधानमंडल का भाग नहीं होती। राष्ट्रपति और उसके सचिव विधानमंडल या कांग्रेस के सदस्य नहीं होते। संयुक्त राज्य अमेरिका में ऐसी ही पद्धति विद्यमान है।	(3) कार्यपालिका अथवा मंत्रिमंडल, विधानमंडल अथवा संसद का ही एक भाग होता है क्योंकि मंत्रिमंडल के सभी सदस्य संसद के भी सदस्य होते हैं। भारत में यह पद्धति प्रचलित है।
(4) राष्ट्रपति और संसद के सदस्यों का चुनाव करने के लिए अलग-अलग चुनाव होते हैं। अत: जरूरी नहीं है कि राष्ट्रपति भी उसी दल का हो जिसे कांग्रेस में बहुमत प्राप्त होता है।	(4) प्रधानमंत्री संसद में बहुमत दल का नेता होता है इसलिए कार्यपालिका और विधानमंडल के बीच संतुलित तालमेल बना रहता है।
(5) संसद का राष्ट्रपति पर कोई नियन्त्रण नहीं होता अत: अपने कार्यकाल में राष्ट्रपति को आसानी से नहीं हटाया जा सकता। अमेरिका के राष्ट्रपति को उसके चार वर्ष की अवधि से पहले साधारणतया हटाया नहीं जा सकता।	(5) संसद का सरकार पर पूर्ण नियंत्रण होता है। यदि प्रधानमंत्री संसद में बहुमत खो दे तो उसे त्यागपत्र देना पड़ता है। भारत के प्रधानमंत्री का अस्तित्व संसद में उसके बहुमत पर निर्भर करता है।

प्रश्न 4. भारत के संघात्मक ढाँचे की क्या विशेषता है ? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर—भारतीय संविधान की संघात्मक विशेषताएँ—भारतीय संविधान ने यहाँ की सरकार को एक संघात्मक स्वरूप प्रदान किया है। यहाँ विकेन्द्रीकरण के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं—

Scanned by CamScanner

(1) एक ओर केन्द्र अथवा संघ सरकार और दूसरी ओर राज्यों अथवा संघीय इकाइयों के मध्य शक्ति का विभाजन किया गया है।

(2) दूसरे, भारतीय संविधान लिखित एवं कठोर है एवं राज्यों के मध्य शक्ति के विभाजन स्पष्ट रूप से लिखित हैं।

(3) यहाँ एक स्वतन्त्र न्यायपालिका अथवा सर्वोच्च न्यायपालिका की स्थापना की गई है ताकि केन्द्र एवं राज्यों अथवा दो या दो से अधिक राज्यों के बीच उठने वाले विवादों का आसानी से निपटारा किया जा सके।

(4) यहाँ एक स्वतन्त्र चुनाव आयोग की स्थापना की गई ताकि जहाँ देश में निष्पक्ष चुनाव हो सकें वहाँ न केन्द्र और न ही राज्य एक-दूसरे पर अनुचित दबाव डाल सकें।

आत्मा में एकात्मक—

(1) परन्तु स्वरूप में संघात्मक होते हुए भी अपनी आत्मा में भारतीय संविधान एकात्मक है क्योंकि अवसर पड़ते ही यहाँ की सरकार अपने ढाँचे में एकात्मक लक्षण धारण कर लेती है। वैसे भी केन्द्र को महत्त्वपूर्ण और अधिक विषयों (कोई 97) पर कानून बनाने का अधिकार है जबकि राज्यों के पास केवल 66 विषय हैं।

(2) जब भी किसी राज्य का शासन ठीक न चल रहा हो तो केन्द्र वहाँ पर राष्ट्रपति शासन लागू कर सकता है।

(3) आपातकालीन परिस्थितियों में, जैसे विदेशी आक्रमण, आर्थिक संकट आदि के समय केन्द्र राज्यों की कानून पास करने की शक्ति को भी स्वयं संभाल सकता है।

प्रश्न 5. भारत में भाषायी मसले को कैसे हल किया गया है ?

उत्तर—भाषा के विचार से भारत विश्व का सम्भवतया सबसे विभिन्नता वाला देश है। यहाँ 1500 से भी अधिक भाषाएँ बोली जाती हैं। परन्तु संविधान ने 22 भाषाओं को ही महत्त्वपूर्ण मानते हुए उन्हें आठवीं अनुसूची में स्थान दिया है। ये 22 अनुसचित भाषाएँ (Scheduled Languages) अपने बोलने वाले लोगों के अनुपात-सहित निम्नलिखित हैं—

भारत की अनुसूचित भाषाएँ

संख्या	भाषा	बोलने वालों का अनुपात %	संख्या	भाषा	बोलने वालों का अनुपात %
1.	असमिया	1.6	12.	मणिपुरी	0.2
2.	बांग्ला	8.3	13.	मराठी	7.5
3.	बोडो	0.1	14.	नेपाली	0.3
4.	डोगरी	0.2	15.	ओड़िया	3.4
5.	गुजराती	4.9	16.	पंजाबी	0.01
6.	हिन्दी	40.2	17.	संस्कृत	2.8
7.	कन्नड़	3.9	18.	संथाली	0.6
8.	कश्मीरी	0.5	19.	सिंधी	0.3
9.	कोंकणी	0.2	20.	तमिल	6.3
10.	मैथिली	0.9	21.	तेलुगु	7.9
11.	मलयालम	3.6	22.	उर्दू	5.2

Scanned by CamScanner

प्रश्न 6. भारत के खाली राजनीतिक नक्शे पर इन राज्यों की उपस्थिति दर्शाएं – मणिपुर, सिक्किम, छत्तीसगढ़ और गोवा। (पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 1) (Important)

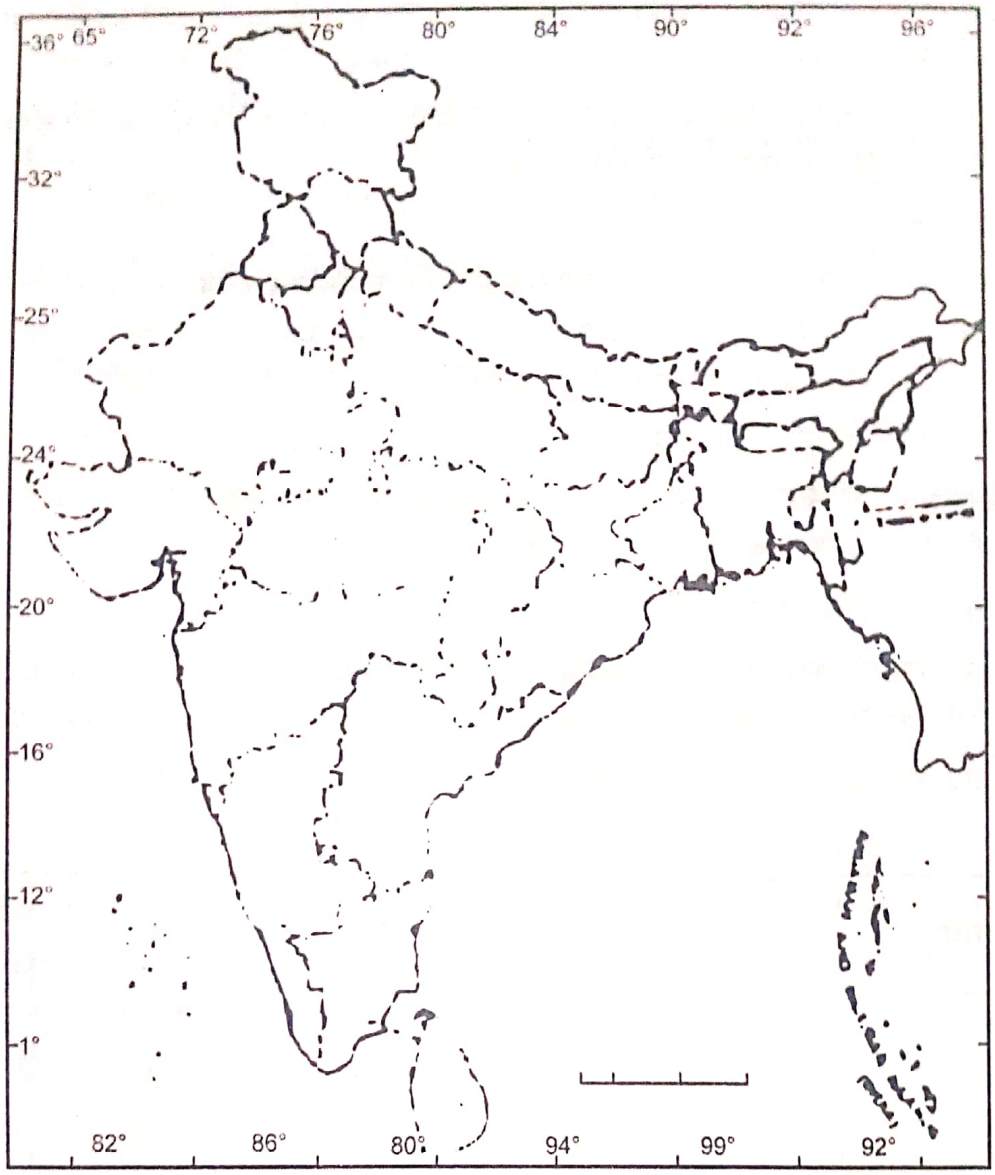

उत्तर—विद्यार्थी स्वयं भारत के मानचित्र पर मणिपुर, सिक्किम, छत्तीसगढ़ और गोवा की उपस्थिति दर्शाएं। उनकी सहायता के लिए निम्नलिखित निर्देशन दिया जा रहा है—

निर्देशन (Guidelines)—

1. **मणिपुर**—यह राज्य भारत के उत्तर-पूर्व भाग में स्थित है। म्यांमार से लगता हुआ यह राज्य उत्तर से नागालैंड और मिज़ोरम से दक्षिण की ओर घिरा हुआ।
2. **सिक्किम**—यह राज्य भारत के उत्तर भाग में स्थित है। पश्चिम में नेपाल से लगता हुआ यह राज्य भूटान और पश्चिमी बंगाल से घिरा हुआ है।
3. **छत्तीसगढ़**—यह राज्य भारत के मध्य में स्थित है और उत्तर प्रदेश, झारखण्ड, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश आदि राज्यों से घिरा हुआ है।
4. **गोवा**—यह राज्य भात के पश्चिमी तट के साथ स्थित है और महाराष्ट्र और कर्नाटक से घिरा हुआ है।

Scanned by CamScanner

प्रश्न 7. विश्व के खाली राजनीतिक मानचित्र पर भारत के अलावा संघीय शासन वाले तीन देशों की अवस्थिति बतायें और उनके नक्शे को रंग से भरें।
(पाठ्य-पुस्तक का प्रश्न 2) **(Important)**

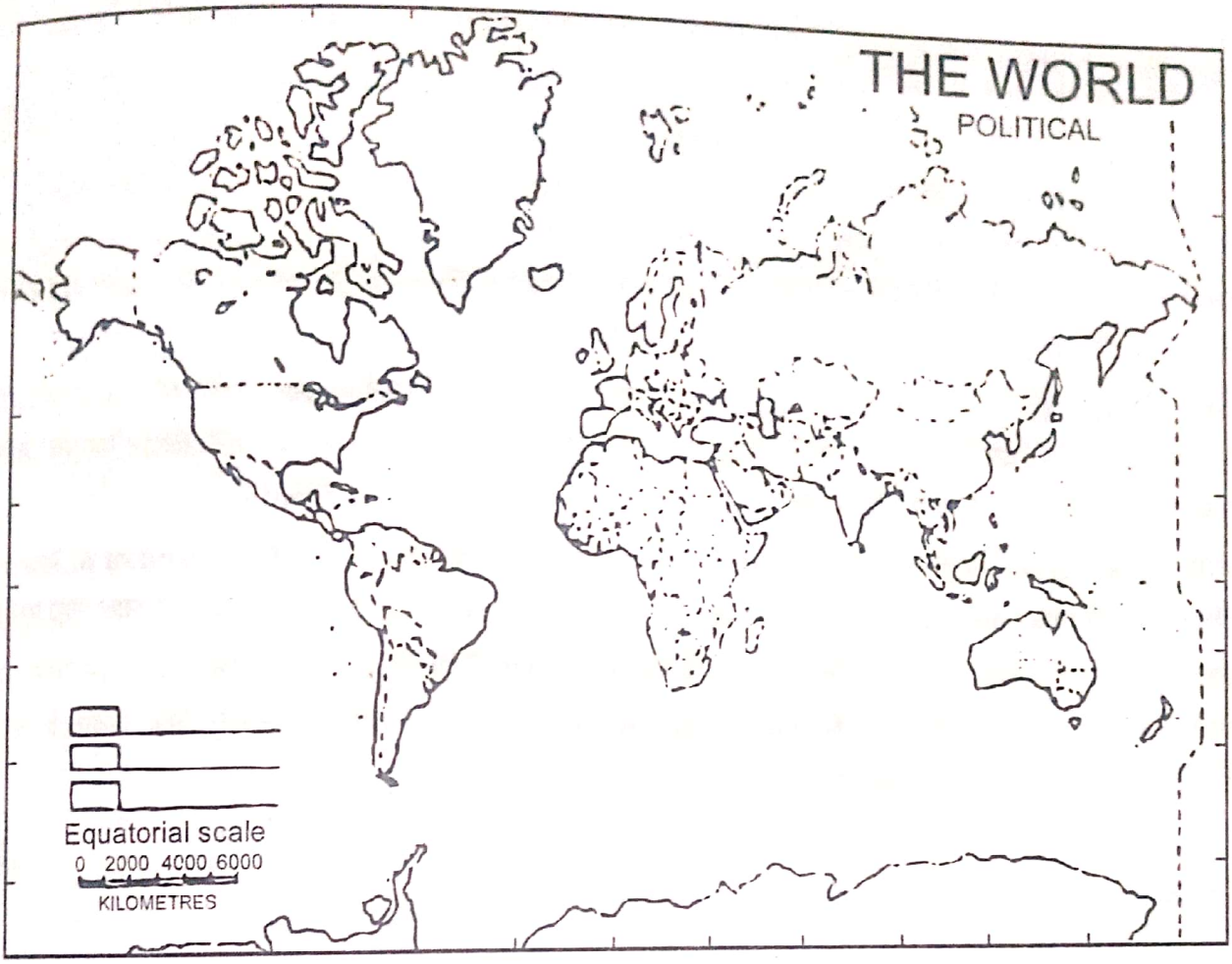

उत्तर—विद्यार्थी स्वयं भारत के अतिरिक्त तीन अन्य संघीय देशों के नाम जानें और फिर विश्व के खाली राजनीतिक मानचित्र पर उनकी स्थिति दिखाएँ।

फिर भी उनकी सहायता के लिए निम्नलिखित निर्देशन दिया जा रहा है।

निर्देशन (Guidelines)—विश्व के लगभग 25 राज्यों में संघीय व्यवस्था है। इनमें से कुछ मुख्य संघीय राज्यों के नाम इस प्रकार हैं—

1. संयुक्त राज्य अमेरिका
2. आस्ट्रेलिया
3. स्विट्ज़रलैंड
4. भारत
5. स्पेन
6. बेल्जियम आदि।

अब विद्यार्थी भारत के अतिरिक्त किन्हीं अन्य तीन देशों को विश्व के राजनीतिक मानचित्र पर दिखा दें।

Scanned by CamScanner